This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
https://egangotri.wordpress.com/

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

१॥ श्रीगणेशायनमः॥ अथ शंदेहसागर॥ अथ शंदेहवानी कबीरजीके॥
आगमअगमगगनैसुनमैंथालह॥ अथतु मशुनै शशै देहवाह॥ सत सबुधि
जो है तत अवगती॥ गुरुभगती जो साधुवी वानी॥ हीरदे बोधि रजो जो हीत
नेहोई॥ पउपकार जाने मिजे शोई॥ शनवीवार पुनि लोक हहि जे॥ ॥१॥
अवरहु छुवत रहु दीवीनी जै॥ वंवल डुजैने हे स्थजे होई॥ गुरुभगती वे सु
बहै सोई॥ तेनतीशाऐ देहे तेसोन तेहीजे॥ अपर अकाजे शोशद वसी जे॥
क्रोतनी देवे अवरहु तवाली॥ कुतिल भाव अंशा नवी वसी॥ सोल॥
शुनवी वरशनै तेवड़ै जौ लिष पु तौ प्रगाशा॥ जो जे ही पावत करत शोई
भाषा पनी तरवीलाशा॥ चौपाई॥ तीथी पलेव अमल तोहा करई॥
तैव मन शांके नातीके जु धरई॥ पीतीपात जमद्वंद जे होई॥ अद्ह नीम

२म छिपलत सोई॥ वीषमजोग्य अतिगंभीरे फलदा॥ हृग घेह्ष ताहे
नाहत ना॥ जमाची बाहत नीजलीव रस॥ शाधी शरी दे हवीजे
धर्मा॥ रुअशोधीपे हातरहोई॥ शोघत गुरुकहीहि जे शोई॥
नधीरडवाचे॥ लेखवाविरसे प्रेमभगती वीवाही॥ धरम एजपेट
पया श्रवनी॥ शोन अनाहीपढतीम सुखा॥ जानतडली मन
रमनुषा॥ शारसानवशावशंसे तरई॥ शोव भोत नाहीसंचरई॥
वेद शुद्र पावव षानी॥ शास्त्र शातनिवे पानिजानी॥ पड रंघि
वेजंध धर्ववीवाहा॥ रुलवेशा प्रेकौवके नीमाता॥ पुरवे अं
तरहेशवलोका॥ शापरमान ते रहेवी शोवे॥ शाखी॥ शार
वीनुनीके जैशे शघट अधिकार॥ तैसेपी अथीनवकामीनी

Checked 2012
KKSU LIBRARY RAMTEK 441 106 M-1329 Dist Nagpur
Accession No:
~~10276~~ M1329
Title:- संदेह ज्ञान
पेज:- 13
(1)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रम नीर्कल शवैवीवरणाछी।। जीस्वालम नाफ्वीनः शव शुष
तार्ए० नीवेजु श्मली।। तैसेमद्र षसा नवीनः शवनीर्द्र नलाली।। चौपाई।।
कानघजेनमपकशो।। रहई।। शास्त्रवेदगंर्ध शवकहई।। पाव
लनुवन हेहथो मृहई।। हृपवरन गुनवहतेकहई।। जीजीधी
गर्भकीहेवीसाल।। वुध जननपुरजेनवप हीवीवाल।। हेह 2
नधे जेना गी मृहई।। वर नवे रन म्रा समावकहई।। पयना
डीकाईहेमृंवुल।। रावनाडीकाहेजोपुर।। हेजरवतलहे
नाडी मृ तईई।। तेही महहसनाडी जोकहई।। तेलीनाडीकरतै
हेवलावे।। नाम मृर्पवलीवरे श मुहवे।। इगल्णपीजलो

रम शुषमनीजानी।। जंधसीहसाजीकुंरवधानी।। धरनो मूपानशमान
सो गाली।। उधानप्पा नेलेहुपलीवानी।। नागकुर्मश्रीवीलाजानी।।
नागकुर्मपुनि श्रंलेजानी।। हुवहलधनजैपैपानी।। तेलीहुश
मेहैतिनीपरधानी।। नजुगनजसावकहैपुमानन।। ईगल्णपीगलो
रहुषमनीमानी।। रजेगनेतमगुनशतगुनजानी।। हेलीती
[illegible]नीजेसीछवताव।। ताशुनापगनेवहीशपु मृवे।।
मृनंदहडवलगनीतहेवैतनया।। तावेभावकहेपुपास्मा।। नई
जधरशजोवहेवधानी।। हुजुीनपीगलनेहपलीवानी।। प
धीशुषनीजेपुनिगहै।। शुसमृर्पुमशवलनमेवहै।। नपे
वेहजोवहेवप्पानी।। [illegible] नजाये

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(2)

प्र.न.

२प ज्ञानहक्तीनहोई।।मधसुखमनीजागेशमोई।।तालीसुष्पामनीकव
हीनाजानी।। जैसैश्रवाजेथोराहटवुवानी।।सुखनेजीवन्तरशमोई।।
श्रुजीनीशाहटपजीवहैथोई।।बीषीषायेजीपीतहेषेनासु।।वेसोसु
३ षमनीकरैबीनरसु।।श्रमीतीजीनीजीमीशावीनीनेई।।बीषीवै ३
स्वानागीवबेहहेई।।जैहतिपीवैजीवरहैपूहनुरई।।हेयपेश्रुसान
सानेशवजाई।।जेय्वेस्वारंगाशुषमनीश्रावे।।सानेबुधीशावके
बीशनावे।।वामनाडीकाशीटसुनुप।।श्रसीतबीनाषैशारश्रुप।।
वतनाडीहक्तीनशहोई।।जगछपजावनेवरशवकेई।।मध्वजौ
श्रुतैरसुषमनाशोई।।इछमावेतवरतशमोई।।वायेसुछंमनी
तेयश्रुंस्र।।सुषयाषबेकेलहुचेकचेह।।वेदनाडीशावेसहूप।।
सूरनाडीवीषमकेरूप।।वावैवलेसुमपावकरती।।कामजा जदहे

।।६५५१

२प मध्यनाडीमिरशीरेसा।।श्रसस्ववजवेतशब्दश्रुमार।।जैतेश्रेतम
श्रुसीटमानी।।सोहमेयहलीकेजेबबानी।।मह्तलदेपेचुजोकेतती।।
जुपतेजगावगाप्रतिगतती।।अषतपतीतिबीहेशवेनावे।।ध्यातेग
मतेसुमक्रमेकुनावे।।पुस्तरांशिवेवेभैजौतेई।।शावेंवदेतीतैकरै
शमोई।।ध्यानहेरपुनिहेतेपस्वाना।।इश्रीसेवनेचेदप्रधाना।।श्र
पतोपतिकेशेवनरई।।धनसगोर्देयीतप्रीतीशावरई।।जतपवेश
जुगैवेपारा।।शेवाषेलिवीजौशावना।।जैतलवेवर्षरशावेनधुरही।।
सोहवेवदृतीशेनीसुतरही।।चेदनाडीसोपुत्रिहेई।।सुननाडीसेपुन
शमोई।।जौडीपतजौवेदजानी।।श्रीरैनशोतेजौसुनेबध्यानीं।।
मैवेषधलेपुनपैपीश्रावे।।काजावेहततीवेंदसुमावे।।वतेजीव
मेजजनवहेजेपारगा।।हैजोमेवेशाधनशवषवाला।।जैव
...ई।।हेवषजिमवेश्रनुशमई।।हेछमेवेवधुपीजे

(3)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

दुर्गो बेहस्या नवडु मीव गीली ।। जै प्र प्रेवे शाघ नक्षी जै ८

८८ चंद्रनाडी इयाप राव का निजग्नी रुग पाल ।। गीली नाजाभे गलस मैवर वे
स्वामी जोम रघुपाल ।। साखी ।। सीलि शाते घशा वडु विते ।। जोमा ह मा शाते घ ।।
पेते गु नै वदा ली ये ।। कीन न वेथा प्रतो घा ।। थेप इ ।। रुन नाडी के शीट
मुअहु ।। मु मु शा ला शुभे भेन वन्छ ।। दुतप वेवन्द वी वा दुन
॥४॥ म्ह जपै वर्मै वैम्पी वे सो इ ।। तसी म्हघ ट जी व हे गो दुउ ।। न घ गाडि ॥४॥
राव वा हे न पुठ ।। जे ज्ञे म जे पुन तल वन वे ।। मे जो न नीघ ने मे ति
सी घा वे ।। भैम्ने न मे शु न वै जै ग सो इ ।। वेघ घ हे म्ह व वै नजी जै ।।
मुते चाल न वी वी वाल न जो घर इ ।। इ स्व वी म्हे शा न शं म्र इ ।। दे जी नं
नाडी पु न जो व ते इ ।। जै जे नमे शु न वा वे शा वे के इ ।। दुन वे वे ल न दुजी
वैलै इ ।। मल्ह ड घाट न सो व जी त्रै इ ।। दुघि वी षि ते शो वे षु वे र इ ।। जो
वे हु जी न नाडी थं य र इ ।। मे न वे या ह नै वा ह न नीजै ।। श्री म्ह प्र स
जा मे शु न व जी नी जै ।। म्ह न्वे गि गा न प्र ञि ख्या वे जे ते ।। रुन रुन्न वे के

८८ रुन रुन्न वे वे द ध मी पीवे ।। वर्मी पुपवे भै स र म्हे व त जा वे ।। तो त व ह गी रु म
ने हो इ ।। म्हौ षवी सो घी षी ।। म्ह वै सो इ ।। मा ट न मे ते न व सी षि न नेडु व र ठ ना ।।
इ सी वि शी वे वे हि षे ग ना ।। मैं जे ने त्रि स प्र वे घ नी सो इ ।। तीत वे दे जे
दुषि रुन श मे इ ।। साखी ।। मानु षव सी श्री म्ह मि ते नी शं रु तु रु म्ह
मे ते हि ह ।। मुतवे ता न वे के राघ नी प्र सु ह वे न सा वे न शा व के वे ।।
ते षी बी ड ड ट जो प ह नुप ट वे ग घ वी ।। श र स्था शा भैसा घि वे जो शा व
नै जो रुवन वे के ते वे ।। वै पा इ ।। थ मुड ते रन म्ह व घ वे जे ह ना ।।
जन वै क ग वे शे राव प जा ।। वे टी व गी प्रीमि वजी के म इ ।। नही त र न
श्री रुन सो ह इ ।। मुव ने जे म पुजे मै है जे ते ।। शार रु वे वशा व क गी म्ह
वैते ।। क नी नी नेर जो जै रुन वे के मि ।। ज्ञोती से जे ती रु पि ते वे घ मि ।।
मी ह रु न ये वै सा ग वे न इ ।। ल्नावे शं ग न वी भी शं वे र इ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

5

रम जीवनतम मेकेव शवतेहै॥ जीवतत नहै मेहै नाप्यत सोई॥ जीतितम्नीगतीजी
तेसोई॥ नाडवीषी धेरतिवजीगेजौ॥ जैमे म्र मै जानी शेली जै॥ वी
यवते शरमर्तजर जेइ गतहो॥ शोवीसुक्र नेशुप्यहेत थोनोहो॥ शुभ
वतजरहरनगीहोइ॥ वीषी वेत शन मर्तवोनेनपोइ॥ तमीस मेतमी श
५॥ मीनत्रकीजै॥ जो गवो हेतु नाहीवीतहीजै॥ हमी नेजीधुमति देइ शम ऽमी
नजीसेगुहहरेयेम्रजीपुकानी॥ वेदनाउ नीजेघु वंलेजवही॥ दुमी
व श्रातावीजैत वेली॥ जीलपुवे शरुमस्वीजै॥ हेतशुकरने शामेव ॥५॥
रेजं कुली जै॥ दहालेनवी शुन शतिम्नमात॥ वापवुथ मेयशुकशे
मगत॥ जो शनवलेसोहिजौपरु॥ कारुकरेत धीवेजेमु मनु॥ जोश
रवलेहीनसोली जै॥ हेतशुकरनम्रानेसाधतवीजै॥ पुनैतसार जोव
वेलेवीकानी॥ लेहीश मेकानेजवकेरशुधाती॥ शाषी॥ वीघवतिनाडी

रम जेवचलेवृंनेपुनवकनत्रातो॥ हषहेयेससौयेवहेवडमीवनेडस्पातरा॥ वैपरी॥
रानपुथकाधेवेदाकेलतो॥ धरसाउर्धजोतत्रेनेलहीं॥ इजीनेमुवजेव
शेषत॥ना॥ शुनमाडी वोहैये लेष्मनां॥ डिनेनाडीवेशावेकेइ॥ पु
ननेके औहि पुमिशोइ जैहीनाड़ी केकशाजेतवा॥ पुजोजपेव
केवोइनहेत॥ पुनेनवारशजेहेप्रुमिहेइ॥ शुक्रलवकजीपुमिभाव
धसोहि॥ पुनवेडजैवेद जामी॥ इजीनेप हीपरुडोवघानी॥
डुनवेडनेपुद्दुम्रकाशा॥ शुनमहेनीहेवकुले हेतक्मिनासा॥ दे
वीनपहीनवालवेकहै॥ वेंद्रकाहनीतेवरनेपहै॥ वप्रुछनपुष्टेडु
लेजोवोइ॥ पुनेमरहेपुनेकहलवेइ॥ नाडीकेनीजोपुहोवेइ॥ हे
नशुवरनेशवकामरामोहु॥ जेडुषीजीलेथेतपुहोधेइ॥ वोजीते
रावेपुनीवोइ॥ पुमनाडिपुनी [illegible]

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

म होई॥ हद्दीत[illegible] रत्तेशमोरई॥ वंत्तीपुरुवडनजानतीं॥ जीतजधीतनीनमानी
हद्दीनपद्दीम[illegible] नती म्रानेौ॥ शोनतीतेरवेहद्वधानी॥ पतीलेपुतेजधीहीं
जीते॥ प्रमपत मपुननराप्रीते॥ शुन्यजधीदनेजेनेरई॥ जधीमगते
पुनसोई॥ वेहथीहीनजवपुतेतेरई॥ शुत्तीहनन्फेहेशमोई॥ वनइवमनमहई
हा॥ शानेजोनेनही॥ शत्रेवस्यलावेघरघरनहीं॥ धुनिघुरवेनेहरीमी स्रोवनेनेरई॥
मतीगोजधीवसावेलशाई॥ सटहद्दीनेपहीवनेनेजानी॥ जधीशुवेहनेनी ॥६॥
रजीतेकाही॥ मीत्रेमाहीहहोलतसहहेना॥ स्नेवमहमुहहोलननतीमेता॥ वंद
नजीवेन्नुहटपुल॥ लामहपुलेजीतेलुल॥ म्रेवेवसनेजेपुहीश्रीई॥ तेन
वेहपीधीहोलतसावेठुई॥ स्वम्पमाहजोठुसैन्नाई॥ तैम्बेहम्मीशहपहलोईं॥
रुप्पमनीहजवपुसीवाला॥ पुनशयमालेवहोवमेपनहा॥ येहपसोवेनी हम
धीजानी॥ रुप्पमनाकेजेहनी॥ नाडीपुरनेप्रवाहजेजानी॥ होलजी
नितेतीवेहवधानी॥ जेनप्रेठमंदननपडवेजवहीं॥ शुनपवगतेचलेजोतवही॥

सोपुनिष्ववस्वजधीमजीतो॥ देषहनुहेग्न्रवमनुहगेभिले॥ जधीभेम्रबवंद्प
पाहताहीहनेतहावेफीनेतेतल॥ नहीपुतेफेहजोवेधीग्नावे॥ सोतरेपैत
जजीतेनपावे॥ तन्हीगेमजोरुप्पमनीतेरई॥ म्रस्पीरजीसीतरपुनिशोई॥
वहना जीप्रवाहजवतेरई॥ लमतरुहजोग्नावेशोसोनई॥ जवलभीशहुशमने
नाई॥ म्रत्रशातीलवनैलौतनीतेई॥ होलीपम्रावेवीपनतीतेरई॥ नागीघावेनप
गमहेशोई॥ म्रागघावजोगनतावैम्ही॥ शेनेतीपनेजीवेपुनिशोई॥ रुनवीयरा
शाजधीवेनावे॥ शोजीतेपुनितेम्पीनम्रावे॥ आबी॥ मोननोवतीवाबानहै
चीपंवतपनीरयीदिशा॥ जीवनागीम्रस्पीरनहेलेरुसवहेवशंदेश॥ वामहेपे
जोदेहीनशनपुवेराजोतेपे॥ नेतीवेमेतेपेपुहो॥ रुधेननकामनतेपे॥
उवेम्नानीवहेघेरवानी॥ म्र[illegible]नवीधीतेपेडुबजोजानी॥ रुनेघुरजोपुरु
म्राई॥ कवहीप्राजननतेप्पेपाई॥ वीपीगीतीपुहोवीपीनीलीतेपे॥ शुन्
नामहेगोरुन्नेशमोई॥ वातीचेहडिजोरुरा॥ वेयतीकजनतेप्पेपुमा॥

[illegible]

6

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शुल्केपुढे शुनेशारहे म्हणे ॥ मगे ओतन जीवुपनिरोपे ॥ सपैंधी वातीलेविश्यरलेवतेर्ति
लेवपथीवैपुढ्ली जोनं ॥ मेटीवस्त्रसुमतेतनीपुरुनु ॥ दृष्टी नेशरमेन म्हापुर्कुंभले
लेवशोजुनेई शुप्पवीस्तारे ॥ तोमेलेवे हुदुस्मी लेनातेई ॥ शवदी वाशी शुप्पमा
६ ॥ पुशपेई ॥ वेदना पुमरपुढ्लेवेई ॥ नाली दुषन देवीलोलेई ॥ वहनाडीजेई हे
आडे ॥ नाली शुप्प नाही दुप्प आडे ॥ येदरउरं ओप्रु स्पीट लापे ॥ शुनही सामर पुढे
शापेपे ॥ लाठी पसुवैधानी जानी ॥ मनेवौटी चेतवे दुवछोनी ॥ दृष्टी नेना
जीनेली जवलेई ॥ कोमदी शा मटेपुढ्लेवेई ॥ जोशीव मछागव नेशे म्हाना ॥ सर्व
येर्थीपे हदुप्रीतवजाना ॥ जेती नाडीमे हेश्यसशं वाटेई ॥ तेहीहीशी पुढे म्हणे नेद
मटेई ॥ शायशंदेहवेते पश्याना ॥ मेटवेस्प शुप्प तेपनोदना ॥ जीवेवी वा
मीशरस्म स्थीहितवाटे ॥ शोपु शागम्प्रु न्हमीवेहे ॥ शरपे साधनतीवेलि जेते ॥
जीलीलेमी वतेवेपतेते ॥ वेदशुन्दु नागा६ ताधा ॥ मनीवी वर्तविलेली हे हुक
शावे ॥ सुवलपसैपनीवा [illegible] लेहुपुनि ॥ लीलप्रै स्ववेदरापायुनी ॥ पुरी
शुलपक्षपनीधाजेवलेई ॥ तोमीतीनीहीनेवहीपाले शमेई ॥ शावी ॥
॥ ६ ॥

श्रीगुरुनपक्षपनीवाश्यनप्रुमोवशलेही ॥ शुप्पदुजनगवेवसो ॥ चोपाई ॥ शुनघद
दवंदह घरस्तुते ॥ म्हेहीनालेती दुषंतैतेजेपुर्ल ॥ उपद्रुलेवाटेनेतेलेलेनई ॥ म्हणे सुम
घातशवेहेत दुषाई ॥ पलीन्वेवुघैतेसेजे वेलई ॥ हेशादेप्र प्रि म्हणे नोवोजातई
तिजे धरतीवोरे वषाही ॥ वौथे जलओते पुवेना ॥ पेवेपे म्रुपुनरा जाते जे
वाई ॥ शोपुग्नि शाधेपतेशामे ई ॥ पाचें हस्तुलेये पेवेतेवेवटेई ॥ लोतिपुवशाहेश
घेतई ॥ हिनमागेवानेतसकाली ॥ तेवतवेपत्यांधनेउतपली ॥ धनहेमाशक
नतसकाली ॥ मीनमनीनपुतेठेतपाली ॥ वर्शीघवेन्पाजीवली ॥ तुलयीहे
घनचंदहीपहे ॥ जौनालीथीशरतेन्मेहेपा ॥ पनीपाजे शीधीशमेसोपा ॥ पधे
कुमेपीनजो जानी ॥ पहुरबमेपुनालेई म्हणती ॥ हमपेटशान म्हणे
ओवटे ॥ तव मेन्हस्तुघलपातेलेतै ॥ स्तुमेम्ह शुमेदुमेपैमेहि ॥ सानवसाधी
वीतपेशुकेशोमेवु वजानी ॥ मैवीशानीमें गाटोरुव
कीसेदवतारु ॥ स्वलपहीहीनेवगाने वेह ॥ मेहिंदु पहेंनीतिशुनम्हाबदा ॥
... ॥ स्वल ... नमशआवो ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

जोतिष ७८ चौपाई

श्री राम ॐ

प्रथम अमावस्या सन ग्रो. आगाम अमावस जनाव॥ वेद स्वयमतश गोवल्ला॥ ए
गहे सावेदु वंद॥ श्री श्रावण जे वीन सइ॥ दुष्पाप वेद है॥ पुनः पात्
अन्न तभे जानी॥ तीसरे वेगनेक धीवधानी॥ पाम दुनै ने अपनेघर
गहे॥ तवसावे धाम राहु ना ल्येहे॥ वाये जल प्रीथीमा लेजानी
गये अति आप वारायबानी॥ नीवि वले जैसै प्रवल॥ अवे प्रीथी
वलैसोव तु॥ अहल आव पाउमेवेजानी॥ देस गवले दीपपरधानी॥
मिजै गवाईजो उगत गते है॥ का नवीनारा येहै लेखवे है॥ जल अवे ५८॥
प्रीथी धवरांगव तु॥ अधिनीम्या देरनवते गहे॥ स्पाते स्पाते
काके धाना॥ जो नर्नीतन सो जो नर ज्ञाना॥ वमे अवधाप अगी
को धानी॥ तब पतु पवे कनेते नी॥ दुई नैदुवे येवे नहे॥ मैतु
उपदूसा नीतीवहे॥ कुपे अवउ जेनी स्ववेजाती॥ तैतेसाति
रुजराद्दशोहा॥ वेहे दूवली छ्याट नेते है॥ अवनातुन वेमे
धेशामार॥ सामेतेसवे वहेटकना॥ राहू समे गपतननोहैयेमनना॥

८॥

श्रीम

पसावी ध्येअवकारासुमावो॥ कीसुपचौर मावजेनवे॥ नामी भुगाप्रीथी
पडवावे॥ शाहुपत्नवे हसावे॥ सु जोत्रिवा हुवावे जो वहै॥ ह्सीतवप
तेलवे गवहे है॥ ना भीपगनेले जैले जो कलेहु॥ सेतव नलाके नेगलाहे॥
अप्रसीय वे मेत्रालहे लीगेहे॥ प्रीथीलस्य अकीजे शोहे॥ हे वूनेकमी
जानलनीवहेय॥ जलवेत पुरानीटवहीये॥ धनैसाव नम अपित
महेकी भे॥ वेटपपगन आपितकाधासा॥ कानन धनुप सुनेत्र उर्भ पुगाश्ता॥
वारे उवटने कर्मपतीजे॥ कु जनीनरानशोवोलीहीजै॥ ... अवक
रा अप्र भुप्रतिजवही॥ जो रव अम श्रूरा कमीपुतीलवे है॥ ... पाने
वीपप्रतिकली पअखाला॥ तवतै हमीबेमजनप्रगता॥
नन्नेप्रमिन अप्रीतवैजागे॥ जल प्रीथीवी सौरी जवंबा

(8)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

सादी प्रीथीवीतत्वपत्वीलं मवसी: जलमहधर जीतुवेत्ता ।। अथ भरा तत्वहीनीमर्फहत
रम अगनीमतुकेतते ।। वायतत्व महतो जेपवी मे ईहधोत्वे ।। गोधुमगीमत
तेत्वम: साधन अर्थ प्रधीमरथे ।। वीपछी ।। नीगोनते वातवतमे मानी ।।
अथ नीलतत्व मे तगल जानी ।। प्रीथी तत्व महत्व धीवेपवजी ।। जीव मत
हेत ते ध्यमसनी ठ ई [illegible] नलीवेतु अध्वेषणारमो ई ।। वाये नाडी मेंहपीव
रेछा ।। जोल मतवेह गाव जोगा है ।। प्रीथी तत्व वी नेहरी पती जामी ।।
अगनी तत्व केरा नी भाग हावधानी ।। पोत महत मेहनाडी जोजी ।। अथ
सोवेका जीवा हेधवानी ।। पाचे तत्व वैरयटहा मध्ये है ।। अथ जोवा ।।
है ।। अथ [illegible] ।। सोनेईहमेईजीन जोवा ई ।। तत्व अनुवाटे
शामोई ।। प्रथम पुष्ट ईपते उजे ।। [illegible] जैसी जो ।।

रम प्रीथी जल तेज वायु आकाश ।। वानी अनुवस्थिति पधानी जलपतत्व अतीव
है ।। [illegible] हीत जोवह पही ।। सात पायु नाट अपवस्या ।। सो जोनेती सपेसा
धुरावरथा ।। कायेतहै जोहेहमे ध्यशा ।। पाव मेउन अतल मपुगासा ।।
दिवपनतु नेवै गुनेहेई ।। वेतही अपुरया भोगी जानती सोई ।। अथ पुनि
धरा शुवरा जलतेवै ।। वेही केसावेतेहि ध्वरनकोतलवे ।। पवन तत्व पुर्णमी
वैजानी ।। धपहिसामवे हेधवानी ।। तत्व मपा [illegible] वताना ।। इपन
वापृथीवी मी वैपमा ।। सुतवी अस्तिहीतरा दपी [illegible] सहीत जोल
णस्वी नरहीं ।। हेनवमी सेगी सीपि ई जोजा [illegible] धरा हीलप
हेमुतवषानी ।। तिहिवातोजे पोलपुर्मसी ।। [illegible] सीतेहेवाये
सधाली ।। नागद्दाघलेरूपे जोपुलीं वसवे [illegible] वशप्रीतीनी ।।
नेत्रतुम्हातेजेजेईधरावे ।। तीनीजेजोमे प्रीथी [illegible]

9

प्रीलीवरनतैचैाद्यरु ग्रुधलीवृगैनेवासोपदम स्या जागहीजीन्रीघं
मीप्रुनवीलेग्रश ॥ रोतैवरनतैघरद्दगा गोलैथैवै जोप्र ॥ जेजेनेग्रंथे
मीयेमीलें ॥ प्रीतीलागेग्रुधीवेपा ॥ तीनीवृानउचेवले ॥ दुथेतंगुन १०
... ॥ हीनप्रुवग्नरोजाहीलो ॥ जो जेनवेस्वैषालेग ॥ थेण ई ॥
तेलालै ... हैई ॥ तीदग्रुग्नथे जोरा बेद्दशापोई ॥ षटा स्वेप
१० नीलवटने जोचैथंगहैरे ... रोग्नेनेधंग्पालेहो ॥ जो जेनेवेवी त्रके
रतिधुस्वैवालु ॥ छत्रेगथैने रोग्नेनेधंग्पालो ॥ जोजेनेवेवी त्र
नमतैहाई ॥ वापेलतु पीवोहैशगाई ॥ स्वोगेवरनैग्रकाशपुन
नाग्रु ॥ शाहुहुगावथगेपद्दीव ना ॥ ग्रुमींगालीगालीउन्यागाग्रतैन
रापेव्यापीणवचेवीलगाहेई ॥ क्रग्रुदजीवैहालग्रागनी ॥ जोगतैवन
जनीदकैनवैजानी ॥ पिहीतैजान्नग्रुवरालेष आरामतैजीवनु
लीनिबोगेतीप्रुगागरा ॥ वद्दींमपहैनभेहपुनंवनहैई ॥ यानैपहै

सहधीवजानीपरीमडसामी ॥ जपातस्वरोग्नपेवचन्नी ग्रुराणीग्नु
वैतेजेवग्नेशहैरु ॥ पुर्शीवेततैहीमानेशरोई ॥ वैतशुल्वेलपळुपवी
कजनवहैाध ॥ एडहीनदसुवीवोरहश्रंई ॥ प्रातरामेजोस्वोशाकहई ॥
हैशगपेघवीचारहेथैता ॥ गौशिहवशवोग्रुगानपप्रेना ॥ स्यारा
वलैलतुगीतागाहई ॥ वीगींशद्दैणवैतगलिकतेई ॥ पाच्चेनतैजान
देगीनहई ॥ नपागोनपाग्नाशवकैनगहई ॥ पेयीलतपनीवोपव
जानी ॥ वेगीरशद्वेशवैपहनवेषानी ॥ पुजागहुवगीवुकीवोज
हो ॥ हयेश्रीस्वीडुवेगोजानशाती ॥ जवकेतलुपनीवागतग्नावे ॥
हैपेगहुनगीघवहश्री स्वीजागवे ॥ जोगग्नहीलवहुमेगवीनेडुहु ॥
ग्रुनवीधीरशीहायेप्रगागहु ॥ जलवोतनुहुधावरहेपोवै
... नवपहुई ॥ पाहाहुभिघ्रवेजेवहमहलतई ॥ वे

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मध्यस्थैपती बनेड़ा॥ क्रोध अग्नी जीव पत्ता सब कुन तुला तिल तउपजै
जो अधिक तपाती॥ द्रगाशे गर्भका कुम्भ हीन बसी॥ मेघ श्रेस्ती
चाके जो चय हुई॥ भ्रामणी की स्त्री ऊपर दुःख वेहे॥ पूर्ण करी वीतवाग में
लहुये॥ अर्लेप्सप्रद्दण कैठस्या ब्रपाची॥ मेषरा क्रेती अपकारा गै
नाहि॥ तेही मैगायेतनु जो अमृद॥ महीप गाल दुर्लभ पुमीसहे॥ तौये
उपद्र जैगम नहै॥ शद्र की धी पहेपहै गनी॥ शीघ्री कामहोय ११
देवषानी॥ शनेवे भैतरपदोकेहै॥ नीपर्हीक हेजान्द पुनि सेही॥
धुनेपुच्छे शुभे रहे॥ धूतरवीत हैमानर थाहे॥ पुना अह रन्छिके
गा तह॥ तौकैवर जोसी धीवे धानजा॥ सनके मतंभील जनावे॥
सीधी भक्त जैसी नेता लीन शावे॥ जलधी धीपान हुईजनकहे॥
बजासी धीराने भाजी जनावे॥ अक्रोतपनीवज जोमी तीवहे

सरपडाय गवु पांधीपां गहई॥ दुजी अवर शुल्व लप कम्युतइ॥ बंद
नागि जेवतै सामाई॥ मनडू बलाते पवपाहतैहै॥ शुने अश अव
नाथेलावचानी॥ श्री हुनपक नीय शुभ जोनी॥ नेतुल मैरे
यमानु छपवहीही॥ पीथी जलन नौवव हलशुमे यहीं॥ हीन
मतीनैखे सन जानुही॥ अगमीनी जुमे जोपेलव धानेही॥
अवका शवा धेवे धम गीनही जानेडु॥ शवलोगनै रोत हनु नैअ
न हु॥ जो धलतेंग मे जोन है॥ हो लगातेनसाने मालती शधवे॥
अकाशत नु मतेंग मेंगल॥ गपेवे दृशनथी रपहई॥ तात
मार जो हो पशे चारही॥ दृशाती जैसी पेतेजोती॥ अद्री
कनुष्क नैदीनभेरई॥ खेजु मननाली थीं रहई॥ जो जीये सी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

हरहते मेहीना॥ मुमीगमंदिर नतेपुवीना॥ प्रीथीतनुसा ... भिमेई॥ तै
पत्रैधनवीतेजेशोई॥ नाहीघुमैसनेहीशमानी॥ तुहै शनेपेवलेवूबानी॥
तेह पनीवेलाजानी॥ भीनपालेगघरिहेयेवूबानी॥ नाहीशमोसीजोलीजोते
पधुरहतो गोतथीगोई॥ रबमतीजोनेनीपुरसभतेहे॥ गातेपम्रपृक्षपा
पामोई॥ वेइहीवसी श्रै श्रैगावीलेराणा॥ रिदवीनेहहवेगतेश्रवरिगा॥ वेधलि
पावसीतेहि॥ रदनपुवपेचे तेसापाई॥ सुबमसीमातेनीपुरावजानी॥ जगेमे
मैगिवबाली॥ वायेततवेनन्यावकती॥ श्रीनितत मेएवीनेवती॥ इलेतुजीमी
गीलजानी॥ थीछुकेश्रेवीछुवलपो मानी॥ वहईहैमेलोतेयेशुग॥ शुर
पंकोवुहेरडषडरगैतो तेगेगे जोपुकेराला॥ नीवेनेतेयेवहुतेहत्तवका॥
करौदैमतम्हा ... ॥ पूतलम्नमेमैनेखुराराती॥ वंदग्रुनेथीवशपव
मनीतेल॥ सीहसीवे सुधी पुवे जोमैई॥ शोपंथीजनेनीमावेथोई॥ तेवा
तीम्हागे म्रतुरारारई॥ जलनेपुहवैगेगमावे॥ श्रीथीमोवीलंमवजुते
शुषपावे॥ वयेवलैम्रधीवम्रदेरषु॥ ॥१२॥

पुदेसीवनरवइनवलेशु॥ म्रगीतीतनमतम्लनुवतैरीवपेशसाहनीनवेशी॥
घुातपुहीतेधजानवेशोई॥ पृथीमीततवायेमषषसमेई॥ प्रथीमीतत
हूमेमलेघाता॥ जेलेमेजायेतजेलवषना॥ श्रेवेम्मसमायुरेनुजानी॥
नपेपुगामरश्रुतेवषानी॥ शोठी॥ सोमतेरयेयीवाखी॥ गौवशनश्रस्थी
तेचे॥ तुलीपुरवीमीजानीपयातनेपहीपरापे॥ श्रृथीमीतस्मिले
जानेई॥ सोइरुमेरनेधीर॥ जललेसवधुपतेनेधीव नहोतवगावरवीत॥
धायेतेसमतेलेमती॥ म्रमीमुलतेपेगोपे॥ म्रधाशतेसमौयेतेपे० सा
मेटरडेममीतनतसे॥ शनेयेनेम्रवुवन्धवीसा० शटवेम्रीतमेम्रायेनेतेये॥
नेलखेवरशमीजामीपे॥ म्रतेशहीतघुरजाये॥ शुम्पतसुमरस्वस्यीते०
नुरशायेतेमोते॥ लीवीवीपामीलीतेतालीकत० गे जसेमाशपरहते॥ वेपई॥
वीनुमवेशरजीविवेनवेषानी॥ धीजीगीतीतवुवीनपती ... वेनी॥ लीमी
नैशपामशोमरैजारही॥ पमीया जावीपीतीलीवल ईली॥ शुनषुषमनी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

थीपीनीतीते माशाद्धेयशम्प्रत्वलीतैसैउ॥ रोशानघातल्मी पंगैउ नी॥
पनीराद्धेषरादर जीपकेतैलानी॥ तैव्ये गगेरा भौगन धदुई॥ वाले
रानवे माच्च वीचारहे॥ गन्नरपतैने भीपी गैली गहई॥ वीनीतिमी सरी
नेव धीव नगरे॥ शौनेतपतने जोउगल्मु थे॥ विरोधद्धेषशपोगी
गधतनदे॥ चौथीसिपुलक नोशाशु गहेरई॥ पनीसिपुरखगोजी मैन
सोई॥ जौनीशिगामैगै मानरे खसुगर॥ जानु जौगर्दीश्वधनजागा॥
ददवुद्द पमरहपेहराघातलीतैव्ये गेनासनराती नीन्वपाली॥ सावी॥
जोनेजौ गेसनमैदप्पे ८० रामप्रकाशवारैतु॥ रैगवेपीलालसुपम
नानीशहीतवुरीशावेता॥ इति श्री रामप्रश्न टिका समाप्त शीमेवार्हे
शानपैदृरानीदेसांपुरगीपु॥ माषावदीर जीवपके॥ दुम्न नो शाहीदी १२॥
से॥ गोपाम्म दृषनहीपतो॥ सम्वत १८८६॥

KKSU LIBRARY RAMTEK 441 106 M-1329 Dist Nagpur

13

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription]
,CREATED=23.10.20 15:19
,TRANSFERRED=2020/10/23 at 15:21:23
,PAGES=13
,TYPE=STD
,NAME=S0004494
,Book Name=M-1329-SANDEHI GYAN
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection